प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

27.05.2026 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

पंचायत चुनाव

प्रदेश में पंचायती राज चुनाव के पहले चरण का मतदान कल संपन्न हुआ, जिसमें 1 हजार 293 ग्राम पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। निर्वाचन आयोग के मुताबिक पहले चरण में 78 दशमलव आठ–पांच प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में हुए पंचायत चुनावों से ज्यादा है। वर्ष 2021 में पहले चरण में 77 प्रतिशत मतदान हुआ था। अधिक ब्यौरा इस रिपोर्ट में–

डिस्पैच– पंचायती राज चुनाव के पहले चरण में प्रदेश भर में मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया और 78 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा 84 प्रतिशत मतदान कुल्लू जिला और सबसे कम उन्नहत्तर प्रतिशत लाहौल–स्पीति में दर्ज हुआ। सिरमौर के कमरऊ ब्लॉक की तिलोधर ग्राम पंचायत कुनेर–धमौन में सबसे ज्यादा 97 प्रतिशत वोट पड़े। 10 जिलों में महिला मतदाताओं का प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा। कुल्लू में 85ः महिलाओं ने वोट डाला। नए मतदाताओं के साथ 80 वर्ष से अधिक आयू के बुजुर्ग भी उत्साह के साथ अलग–अलग स्थानों पर मतदान करने पहुंचे। प्रधान, उप–प्रधान और वार्ड सदस्य के नतीजे देर रात घोषित किए गए हैं।

इस बीच, शिमला जिला के रामपुर में नरैन पंचायत के वार्ड नंबर–1 में मतदान प्रकिया के दौरान गंभीर त्रुटी के चलते मतदान स्थगित किया गया। यहां 30 मई को दोबारा मतदान होगा। उपायुक्त शिमला ने गंभीर लापरवाही को देखते हुए पोलिंग पार्टी के चार अधिकारियों को निलंबित किया है। इधर, मंडी जिला के करसोग पंचायत समिति के वार्ड नंबर–12 मेहड़ी में थाच–धर्मा व परलोग पंचायतों का बीडीसी सदस्य का मतदान स्थगित किया गया। यहां मतपत्र पर चुनाव लड़ रहे एक प्रत्याशी का नाम नहीं लिखा गया था। इस वार्ड का चुनाव कल 28 मई को दोबारा करवाया जाएगा। इसके अलावा चंबा जिला की चंबी पंचायत के वार्ड नंबर–3 में उम्मीदवार की मृत्यु के कारण चुनाव स्थगित हुआ।

समाचार कक्ष से मैं पुष्पा ठाकुर

दूसरा चरण

इस बीच 28 मई को होने वाले पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण के लिए सक्रिय चुनाव प्रचार बीते कल दोपहर 3 बजे समाप्त हो गया। इन क्षेत्रों में अब प्रत्याशी व्यग्तिगत रूप से ही प्रचार कर रहे हैं। चुनाव के दूसरे चरण में 1 हज़ार 2 सौ 74 पंचायतों में वोट डाले जाएंगे। तीसरे व आखिरी चरण में 30 मई को मतदान होना है, जिसमें 1 हजार 187 पंचायतों में चुनाव होगा।

राज्यपाल

हिमाचल प्रदेश की अपार आध्यात्मिक और पर्यटन क्षमता पर ज़ोर देते हुए राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने देव भूमि हिमाचल के लिए एक विशेष और सुव्यवस्थित धार्मिक पर्यटन सर्किट बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल न केवल राज्य की आध्यात्मिक पहचान को मज़बूत करेगी, बल्कि रोज़गार के अवसर भी पैदा करेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी और हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करेगी। राज्यपाल ने ये बात कल कांगड़ा ज़िला में माँ ज्वाला देवी मंदिर के दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। राज्यपाल ने कहा कि धार्मिक पर्यटन में हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ बनने की क्षमता है।

मुख्यमंत्री

भारतीय जनता पार्टी द्वारा कांग्रेस सरकार पर लगाए गए आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में पूर्व में भी आचार संहिता के बीच कैबिनेट बैठकें होती रही हैं, इसलिए भाजपा को इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

वहीं, प्रदेश में पर्यटन सीजन को देखते हुए 24 घंटे दुकानें खुली रखने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कारोबारियों को पर्यटन सीजन का पूरा लाभ मिल सके, इसलिए ये निर्णय लिया गया है।

सड़क मार्ग

लाहौल और स्पीति को जोड़ने वाली लोसर–ग्राम्फू–चंद्रताल सड़क हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल कर दी गई है। प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार बीते वर्ष दिसंबर माह से बर्फबारी के चलते बंद इस मार्ग को फिलहाल फोर बाई फोर हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए खोला गया है। अगले कुछ दिनों में सड़क के पूरी तरह तैयार हो जाने पर यहां भारी वाहनों की आवाजाही शुरू की जाएगी। ज़िला प्रशासन ने यात्रियों से प्रशासन द्वारा जारी दैनिक एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। इस सड़क पर यातायात बहाली से लाहौल–स्पीति में चंद्रताल तक पर्यटकों की आवाजाही फिर शुरू हो जाएगी।

कुल्लू पर्यटन

मैदानी क्षेत्रों में बढ़ रही तपिश के चलते पर्यटकों ने भारी संख्या में हिमाचल का रूख किया है। कुल्लू जिला में इन दिनों पर्यटन सीजन अपने चरम पर है। यहां होटलों की ओक्यूपेंसी 90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। पर्यटकों के लिए रोहतांग दर्रा मुख्य आकर्षण बना है, वहीं अटल टनल से होते हुए लाहौल घाटी भी भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। रोहतांग में बर्फ का आनंद लेने के अलावा पर्यटक विभिन्न साहसिक पर्यटन गतिविधियों सहित ग्रामीण इलाकों के अनछूए पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने से प्रभावित हो रही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मनाली में 25 एसडीआरएफ के जवान तैनात किए गए हैं।